Gondwana University Gadchiroli.

Faculty Name : Humanities | Name P.G. : Hindi

Two Years Regular Post Graduate Program

SEM - I

Major (Mandatory)	Credit	Elective	Credit	Research Methodology	Credit	Total Credit
1. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदीकाल एंव भक्तीकाल) - I 2. काव्यशास्त्र एंव साहित्य लोचन के सिध्दांत-I (भारतीय काव्यशास्त्र) 3. आधुनिक हिंदी काव्य-I	(4x3)12	1. हिंदी उपन्यास साहीत्य – I 2. प्रयोजनमुलक हिन्दी – I 3. हिंदी कहानी साहित्य – I 4. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य – I 5. हिंदी दलित विमर्श और साहीत्य **Note : Student shall select any one from above group**	4	1. Research Methodology	4	20

SEM - II

Major (Mandatory)	Credit	Elective	Credit	On Job Training/Field Project (OJT/FP)	Credit	Total Credit
1 हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतीकाल एंव आधुनिक काल)- II 1. काव्यशास्त्र एंव साहित्य लोचन के सिध्दांत-II (पाश्यात्य काव्यशास्त्र) 3. आधुनिक हिंदी काव्य-II	(4x3)12	1 हिंदी कहानी साहीत्य – II 2 प्रयोजनमुलक हिन्दी – II 3 आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य – II 4 स्त्री विमर्श और साहित्य 5 हिंदी उपन्यास साहीत्य – II **Note : Student shall select any one from above group**	4	प्रकल्प लेखन	4	20

Gondwana University , Gadchiroli

M.A Hindi SCHEME

Examination Scheme (NEP-2020)

SEMISTER - I

	Subject Code	SUBJECT	Course Credits	Examination Scheme					
				Maximum Marks			Minimum Passig Marks		
				ESE	**IA**	**TOTAL**	**ESE**	**IA**	**TOTAL**
Major DSC	SIMAHIN 101	हिंदी साहीत्य का इतिहास -I (आदिकाल और भक्तिकाल)		80	20	100	32	8	40
Major DSC	SIMAHIN 102	काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन-I (भारतीय काव्यशास्त्र)	4	80	20	100	32	8	40
Major DSC	SIMAHIN 103	आधुनिक हिंदी काव्य -I	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	SIMAHIN 104	प्रयोजनमुलक हिंदी -I	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	SIMAHIN 105	हिंदी उपन्यास साहिंत्य -I	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	SIMAHIN 106	हिंदी कहानी साहित्य -I	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	SIMAHIN 107	हिंदी साहीत्य की अन्य गद्य विधाएॅ -I	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	SIMAHIN 108	हिंदी दलित विमर्श और साहीत्य	4	80	20	100	32	8	40
Compulsary Subject (Reacher Methodology)	SIMAHIN 109	अनूसंधान क्रियाविधी	4	80	20	100	32	8	40

Gondwana University , Gadchiroli

M.A Hindi SCHEME

Examination Scheme (NEP-2020)

SEMISTER - II

	Subject Code	SUBJECT	Course Credits	Examination Scheme					
				Maximum Marks			Minimum Passig Marks		
				ESE	**IA**	**TOTAL**	**ESE**	**IA**	**TOTAL**
Major DSC	S2MAHIN 201	हिंदी साहीत्य का इतिहास -II (रीतीकाल और आधुनिक काल)	4	80	20	100	32	8	40
Major DSC	S2MAHIN 202	काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन-II (पाश्चात्य काव्यशास्त्र)	4	80	20	100	32	8	40
Major DSC	S2MAHIN 203	आधुनिक हिंदी काव्य-II	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	S2MAHIN 204	प्रयोजनमुलक हिंदी -II	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	S2MAHIN 205	हिंदी उपन्यास साहिंत्य -II	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	S2MAHIN 206	हिंदी कहानी साहित्य -II	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	S2MAHIN 207	हिंदी साहीत्य की अन्य गद्य विधाएॅ-II	4	80	20	100	32	8	40
Major Elective Subject	S2MAHIN 208	स्त्री विमर्श और साहित्य	4	80	20	100	32	8	40
OJT	S2MAHIN 209	प्रकल्प लेखन	4	80	20	100	32	8	40

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अनुसार

CBCS [चयन आधारित क्रेडिट पध्दति]

स्नातकोत्तर कला शाखा

M.A. (HINDI)

HINDI COURSE STRUCTURE 2023-24

SEMESTER I toII

हिंदी

प्रा.डॉ. सुनिता बनसोड (भगत)
अध्यक्ष

हिंदी अध्ययन मंडल
हिंदी पाठ्यक्रम समिति
गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

पाठयक्रम की रूपरेखा
शैक्षणिक वर्ष २०२३—२०२४ से
एम.ए. (हिंदी) **प्रथम** सत्र

(८०:२०पैटर्न)

प्रस्तुत पाठयक्रम की रचना मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के माडल पाठ्यचर्या के अनुसार की गई है।

एम.ए. हिंदी सत्र ७ एवं ८ के इस पाठ्यक्रम का अध्ययन व अध्यापन २०२३—२०२४ के सत्र से आरंभ होगा।

पाठ्यक्रम का विभाजन दो सत्रों (एक वर्ष) के लिए होगा। विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम में से सातवें और आठवे सत्र के अनुसार अध्ययन करना होगा।

Major DSC के अंतर्गत प्रश्नपत्र अनिवार्य स्तर के रहेंगे। जिसके अंतर्गत तीन विषयों का अध्ययन करना अनिवार्य होगा।

(Major Elective DSE) के अंतर्गत प्रश्नपत्र वैकल्पिक स्तर के होंगे। जिसके अंतर्गत पांच में से किसी एक विषय का चयन करना अनिवार्य होगा।

Minor OJT के अंतर्गत अनुसंधान क्रिया विधि का अध्ययन अनिवार्य होगा।

एम. ए. हिंदी सत्र I और II

NEP- 2020

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

सत्र–2023-24 से (80 : 20 पैटर्न)

- कुल: 60तासिकाएँ ; प्रत्येक इकाई के लिए 15 घंटे
- पाँच प्रश्नपत्रों के लिए प्रथम और व्दितीय सत्र चार अंतर्गत परीक्षाएँ होगी। (5+5+5+5)- 20
- संत्रात परीक्षा (पांच प्रश्न)-80

कुल-80+20 = 100

सूचना:

1. एम. ए (हिंदी) प्रथम सत्र – के प्रश्न पत्र में 20 अंको का अर्न्तगत मूल्यांकन किया जायेगा और 80 अंको की अंतिम परीक्षा होगी ।
   (विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में अंतर्गत परीक्षा में कम से कम 08 अंक और अंतिम परीक्षा में कम से कम 32 अंक कुल मिलाकर 40 अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है । अर्थात 100 में से 40 अंक बाद में अनका रूपांतरण श्रेणी पध्दति में होगा ।
2. इस सत्र में चार अंर्तगत परीक्षाएँ ली जायेगी वह एक–एक इकाई के अध्यापन के बाद होनी चाहिए । यह परीक्षाएँ5+5+5+5अंको की ली जायेगी । उसके लिए निम्न परीक्षा पध्दतियों में से किन्ही चार के (विभाग प्रमुख एवं विषय शिक्षक के चयन के अनुसार) आधार पर मूल्यांकन किया जाय –

अ. क्र	परीक्षा	विषय
1	स्वाध्याय 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
2	मौखिक परीक्षा 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
3	प्रतियोगिता / स्पर्धा परीक्षा 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
4	विषय–संगोष्ठी / सेमिनार प्रस्तुतिकरण 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रस्तुतिकरण लिया जाना
5	लघु प्रकल्प / अनुसंधान कार्य / प्रोजक्ट 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
6	लिखित परीक्षा 5 अंको के लिए	चारों इकाईयों पर
7	पुस्तक परीक्षण 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई के विषय पर
8	साहित्यिक पत्रिका / पुस्तक आकलन	किसी एक इकाई पर

एम.ए.(हिंदी) भाग : एक
पाठ्यक्रम की रुपरेखा
सत्र : 2023-24 से (80 : 20 पैटर्न)
सत्र — I

प्रश्नपत्र १ :—	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और भक्तिकाल) (१०५० से १३७५ तक)	Major Mandatory DSC Subject
प्रश्नपत्र २ :—	काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन (भारतीय काव्यशास्त्र)	
प्रश्नपत्र ३ :—	आधुनिक हिंदी काव्य	
प्रश्नपत्र ४ :—	१. प्रयोजनमूलक हिंदी -I २. हिन्दी उपन्यास साहित्य -I ३. हिंदी कहानी साहित्य -I ४. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य -I ५. हिंदी दलित विमर्श और साहित्य	Elective Subject
प्रश्नपत्र ५ :—	अनुसंधान क्रियाविधी	

गोंडवाना विश्वविद्यालय,गडचिरोली

पदव्युत्तर अभ्यासक्रम
राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०
विषय : एम.ए. (हिन्दी)

	SEM-VII	SEM-VIII
Major DSC	१) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल) २) काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन (भारतीय काव्यशास्त्र) ३) आधुनिक हिंदी काव्य	१) हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल) २) काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन (पाश्चात्य काव्यशास्त्र) ३) आधुनिक हिंदी काव्य
Major Elective DSE	१) प्रयोजनमूलक हिंदी -I २) हिंदी उपन्यास साहित्य -I ३) हिंदी कहानी साहित्य -I ४) आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य -I ५) हिंदी दलित विमर्श	१) प्रयोजनमूलक हिंदी -II २) हिंदी उपन्यास साहित्य -II ३) हिंदी कहानी साहित्य -II ४) आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य -II ५) स्त्री विमर्श और साहित्य
Minor OJT	अनुसंधान क्रियाविधि	OJT

सूचना:– १. Major DSC के तीनो विषय अनिवार्य है।
२. Elective मे से कोई भी एक विषय का अध्ययन करना अनिवार्य है।

एम. ए. (हिन्दी) सत्र– I
प्रश्नपत्र १. Major DSC
हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल से भक्तिकाल तक)
(१०५० से १३७५ तक)
Paper-I

उद्देश्य :—

१) युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।

२) आदिकालीन और भक्तिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना।

३) जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।

४) युगीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।

४) परिचर्चा।

५) अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान।

शैक्षणिक परिणाम :—

१) विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी दे सकेगा।

२) विद्यार्थी साहित्य और समाज के अंत:संबंध की जानकारी दे सकेगा।

३) विद्यार्थी साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को परख कर उसे विश्लेषित कर सकेगा।

४) विद्यार्थी सामाजिक एकीकरण और समाज के उत्थान के लिए कवियो द्वारा किये गये पयत्नों की जानकारी दे सकेगा।

५) विद्यार्थी सांस्कृतिक बहूलता का बोध कर सकेगा।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

इकाई १

१) आदिकाल की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ.
२) आदिकाल के नामकरण की समस्या
३) सिध्द कवियों का परिचय एवं सिध्द साहित्य की विशेषताएँ।
४) नाथ कवियों का परिचय एवं नाथ साहित्य की विशेषताएँ।

इकाई २

१) 'रासो' शब्द की व्युत्पत्ति एवं रासो काव्य और उनके प्रमुख ग्रंथ।
२) रासो साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
३) 'पृथ्वीराज रासो' महाकाव्य की समीक्षा।
४) जैन साहित्य का परिचय एवं विशेषताएँ।

इकाई ३

१) भक्तिकाल की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ।
२) सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन।
३) भक्तिकाल का नामकरण एवं वर्गीकरण।
४) हिन्दी साहित्य का स्वर्ण—युग (भक्तिकाल)।
५) भक्ति काल की धाराएँ (सगुण, निर्गुण काव्य का परिचय)

इकाई ४

१) संत काव्य धारा:—

- अर्थ
- विशेषताएँ
- संत काव्य परम्परा में कबीर का स्थान
- संत कवियों का परिचय एंव उनकी रचनाएँ/कबीरदास
- नानक, दादू दयाल, रैदास

२) सूफी काव्य धारा:—

- भारत में सूफी मत का विकास
- सूफी काव्य के प्रमुख कवि एंव रचनाएँ
- सूफी काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ
- जायसी के 'पद्मावत' महाकाव्य की समीक्षा।

३) राम भक्ति शाखाः—

- राम काव्य का परिचय एवं विशेषताएँ।
- राम काव्य के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ।
- राम काव्य में 'तुलसीदास' का स्थान एवं काव्यगत विशेषताएँ।
- तुलसीदास के रामचरितमानस महाकाव्य की समीक्षा।

४) कृष्ण भक्ति शाखाः—

- कृष्ण काव्य का परिचय एवं विशेषताएँ।
- अष्टछाप के कवि एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन।
- कृष्ण काव्य में 'सूरदास' का स्थान एंव काव्यगत विशेषताएँ।
- सूरदास के 'भ्रमरगीतसार' की समीक्षा।

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय के चार इकाई— १,२,३,४ होंगे।

२. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई १** एवं **इकाई २** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक दो इकाई ३**एवं **इकाई ४** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंतर्गत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य — सम्पादक पुन्नीसिंह, कमलाप्रसाद राजेन्द्र शर्मा

२) हिंदी साहित्य का सरल इतिहास — विश्वनाथ त्रिपाठी

३) भाषा साहित्य और संस्कृति — विमलेश कान्ति वर्मा, मालती

४) आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श — देवेन्द्र चौबे

५) समकालीन भारतीय साहित्य — साहित्य अकादमी पत्रिका

६) दलित आत्मकथाएं अनुभव से चिंतन — सुभाषचंद्र

७) हिंदी साहित्य का इतिहास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल

८) हिंदी साहित्य का आदिकाल — हजारी प्रसाद द्विवेदी

९) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

१०) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. रामविलास शर्मा
११) हिंदी रीति साहित्य — डॉ. भगीरथ मिश्र
१२) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. माधव सोनटक्के
१३) आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका — डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१४) हिंदी साहित्य का इतिहास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
१५) हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास — आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
१६) हिन्दी साहित्य की भूमिका — आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
१७) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
१८) भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ — डॉ. रामविलास शर्मा
१९) भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ — डॉ. रामविलास शर्मा
२०) महावीरप्रसाद द्विवेदी और नवजागरण — डॉ. रामविलास शर्मा
२१) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह
२२) साहित्य और इतिहास दृष्टि — डॉ. मैनेजर पाण्डेय
२३) हिन्दी साहित्य और संवेदना — रामस्वरुप चतुर्वेदी
२४) साठोत्तरी हिन्दी कविता : परिवर्तित दिशाएँ — विजय कुमार
२५) समकालीन कविता और कुलीनतावाद — अजय तिवारी
२६) नई कविता का आत्मसंघर्ष — ग. मा. मुक्तिबोध
२७) नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र — ग. मा. मुक्तिबोध
२८) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. नगेद्र
२९) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. मातादीन

एम. ए. (हिन्दी) सत्र— I
प्रश्नपत्र २ Major DSC
काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन
(भारतीय काव्यशास्त्र)
Paper-II

उद्देश्य :

१) छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
२) छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
३) छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिध्दातों का ज्ञान कराना।
४) साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधो से छात्रों को अवगत कराना।
५) छात्रों को साहित्यशास्त्र चिंतन से परिचित कराना।
५) छात्रों को भारतीय साहित्य शास्त्र के सिध्दातों में साम्य वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
६) छात्रों को साहित्य शास्त्रीय समीक्षा का महत्व अवगत कराना।
८) साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) पी.पी.टी/भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
५) अतिथि विशेषज्ञो के व्याख्यान।

शैक्षिक परिणाम :—

१) विद्यार्थी साहित्य के विविध सिध्दातों, अवधारणाओं की जानकारी बतला पायेगा।
२) विद्यार्थी साहित्य के मापदण्डों की समझ से काव्य चिंतन का विश्लेषण कर पायेगा।
३) विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मापदण्डों के आधार पर साहित्य की आलोचना कर पायेगा।
४) विद्यार्थी भारतीय साहित्यशास्त्र के आधार पर अनुसंधान कर पायेगा।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :—

इकाई १

१) संस्कृत काव्यशास्त्र :— काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

२) रस सिध्दान्त :— रस का स्वरुप, भरतमुनि का रस सूत्र, रस के अवयव (अंग), रस निष्पत्ति, भट्लोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त द्वारा की गयी व्याख्याओं का विवेचन, साधारणीकरण की अवधारणा।

इकाई २

१) अलंकार सिध्दात :— अलंकार शब्द की व्युपत्ति, परिभाषा, अलंकार सिध्दात का स्वरुप, काव्य में अलंकारों का स्थान, अलंकारों का वर्गीकरण।

२) रीति सिध्दान्त :— रीति की अवधारणा, रीति शब्द की व्युतपत्ति, रीति की परिभाषा, रीति संप्रदाय, रीति भेद, रीति के काव्यगुण, रीति और शैली।

इकाई ३

१) ध्वनि सिध्दान्त :—ध्वनि सिध्दान्त की व्युतपत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि और शब्द शक्ति, ध्वनि के भेद — अभिधामूलक और लक्षणामूलक ध्वनि, ध्वनि के आधार पर काव्य का भेद, ध्वनि सिध्दात का महत्त्व।

इकाई ४

१) वक्रोक्ति सिध्दान्त :— वक्रोक्ति की परिभाषा, वक्रोक्ति सिध्दान्त का स्वरुप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति का महत्व।

२) औचित्य सिध्दान्त :— औचित्य का स्वरुप, औचित्य की प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद, औचित्य का महत्त्व।

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई १,** एवं **इकाई २** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक एक दो इकाई ३** एवं **इकाई ४** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) रस मीमांसा — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
२) भारतीय काव्य शास्त्र — डॉ. सत्यदेव चौधरी
३) साहित्यलोचन — डॉ. श्याम सुंदरदास
४) ध्वनि सिध्दांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य — डॉ. रॉय
५) आलोचना और आलोचना — डॉ. बच्चन
६) रस सिध्दांत स्वरुप और विश्लेषण — डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
७) हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ — डॉ.रामेश्वरलाला खंडेलवाल
८) रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना — डॉ. रामविलास शर्मा
९) काव्य तत्व विमर्श — डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१०) समीक्षा शास्त्र के सिध्दांत — डा. श्यामसुंदर दास
११) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्म अध्ययन — डॉ. बच्चन सिंह

१२)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन	—	डॉ. सत्यदेव चौधरी एवं डॉ. शान्तिस्वरुप गुप्त
१३)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	डॉ. भगीरथ मिश्र
१४)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
१५)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	डॉ. निर्मला जैन
१६)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिध्दान्त	—	डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज
१७)	भारतीय काव्य शास्त्र	—	डॉ. विजयपाल सिंह
१८)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	डॉ. विजयपाल सिंह
१९)	संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्य शास्त्र	—	गोपीचंद नारंग
२०)	हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	—	डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय लोकभारतीय प्रकाशन
२१)	काव्य के रुप	—	गुलाबराय
२२)	भारतीय काव्य शास्त्र की परंपरी	—	डॉ. नगेन्द्र
२३)	काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन	—	डॉ. शैलेद्र कुमार शुक्ल

एम. ए. (हिन्दी) सत्र– I
Major DSE
आधुनिक हिन्दी काव्य
Paper-III

उद्देश्य :

१) विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
२) विद्यार्थियों को आधुनिककाल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना।
३) आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम का परिचय देना।
४) विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरुप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।
५) द्रुतवाचन के अंतर्गत विद्यार्थियों को कवियों की काव्यगत विशेषताओं, रचनाओं के लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन कराना।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) द्रक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

शैक्षिक परिणाम :–

१) विद्यार्थींयों को पठित विधा का विस्तृत परिचय होगा उनमे साम्य, वैषम्य का बोध विकसित होगा।
२) उनमें सामाजिक समस्याओं के चित्रण और उनको देखने का दृष्टिकोण विकसित होगा।
३) उसकी भाषिक दक्षता विकसित होगी।
४) उनमें सामाजिक चेतना का विकास बोध होगा।
५) उनमें मानवीय मूल्यों की समझ विकसित हागी।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई १

१) **जयशंकर प्रसाद**

- कामायनी
- चिंता सर्ग
- श्रध्दा सर्ग

२) **हिरा डोम :—**

- अछुत की शिकायत

इकाई २

१) **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला**

- सरोज स्मृति
- कुकुरमुत्ता

२) **हरिवंयराय बच्चन**

- मधुशाला (१ से ३० तक)

इकाई ३

१) **अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'**

- प्रिय प्रवास (नवम् सर्ग)

२) **सियाराम शरण गुप्त**

- एक फूल की चाह
- मृत्यु भय

इकाई ४

१) **द्रुतपाठ**

- सुमित्रानंदन पंत
- महादेवी वर्मा
- भवानीप्रसाद मिश्रा
- मैथिलिशरण गुप्त
- धुमिल
- केदारनाथ

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई १,२,३** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु छः काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई १,२,३** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2

५- **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६.**अंतर्गत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) अज्ञेय का काव्य — एक मूल्यांकन — डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
२) अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या — रामस्वरुप चतुर्वेदी
३) आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृत्तियॉ — डॉ. नगेन्द्र
४) मुक्तिबोध ज्ञान और संवदेना — नंदकिशोर नवल
५) मुक्तिबोध की काव्य चेतना और मूल्य संकल्प — डॉ. हुकूमचंद राजपाल
६) प्रसाद का काव्य — डॉ. प्रेमशंकर
७) कवि प्रसाद की काव्य साधना — रामनाथ सुमन
८) निराला की साहित्य साधना — रामविलास शर्मा
९) निराला काव्य में मानवीय चेतना — डॉ. रमेशदत्त मिश्र
१०) क्रान्तिकारी कवि — निराला

११)	ग्रामगीता (हिन्दी) अनुवादक	—	प्रा. रघुनाथ कडवे
		—	संस्कार प्रकाशन, नागपुर
१२)	निराला और मुक्तिबोध	—	नंदकिशोर नवल
१३)	कामायनी : एक पुनर्विचार	—	ग. मा. मुक्तिबोध
१४)	कामायनी : इतिहास और रुपक	—	सुशीला भारती
१५)	मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब	—	चंचल चौहान
१६)	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	—	डॉ. नगेंद्र

एम. ए. (हिन्दी) सत्र- I
प्रश्नपत्र ४ Major Elective DSE
प्रयोजनमूलक हिन्दी –I

उद्देश्य :–

१) छात्रों को हिंदी के प्रयोजनमूलक पक्ष का परिचय कराना।
२) हिंदी की प्रयुक्तियों का परिचय।
३) कार्यालयीन भाषा के रुप में हिंदी की उपयोगिता।
४) जनसंचार के विविध रुपों का परिचय।
५) सूचना तकनीकि में विविध रुपों का परिचय।
६) हिंदी में कंम्प्युटर के विविध प्रयोग से अवगत कराना।
७) छात्रों मे राष्ट्र के प्रति प्रेंम एवं सामाजिक प्रतिबध्दता की भावना विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।
५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

शैक्षिक परिणाम:–

१) विद्यार्थी भाषा के प्रयोजन मूलक पक्ष की जानकारी दे पायेगा।
२) विद्यार्थी भाषा के प्रयोजनमूलक आयामों की जानकारी बता पायेगा।
३) विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में कौशलता के साथ हिंदी भाषा का प्रयोग कर पायेगा।
४) विद्यार्थी हिंदी की संवैधानिक स्थिति की जानकारी दे पायेगा।
५) विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्र के पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग कर पायेगा।
६) विद्यार्थी रोजगार की दृष्टि से सक्षम होगा।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई १

१) **प्रयोजनमूलक हिन्दी**

- अवधारणा एंव स्वरूप
- राजभाषा संबधी संवैधानिक प्रावधान

इकाई २

१) **कार्यालयीन हिन्दी**

- टिप्पण
- प्रारूपण
- संक्षेपण
- निविदा लेखन
- पल्लवन

इकाई ३

१) **जनसंचार माध्यम**

- जनसंचार माध्यमों का परिचय एवं महत्व
- समाचार पत्रों का समाचार लेखन
- पृष्ठसज्जा
- संपादकीय लेखन

इकाई ४

१) **श्रव्य माध्यम**

- रेडिओ समाचार लेखन
- उद्घोषणा

२) **दृश्य श्रव्य माध्यम**

- दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन
- पटकथा लेखन
- डाक्युमेंट्री लेखन

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई १** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

२. **प्रश्न क्रमांक दो इकाई २** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

३. **प्रश्न क्रमांक तीन इकाई ३** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में **इकाई ४** से चार प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 5 x 3 = 15

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** 'अ' तथा 'ब' दो भागों में विभक्त किया गया हैं।
(अ) 'अ' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
(ब) 'ब' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिध्दांत और प्रयोग — दंगल झाल्टे
२) प्रयोजनमूलक हिन्दी — डॉ. विनोद गोदरे
३) प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरुप — प्रो. राधे मोहन शर्मा
४) प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना और प्रयोग — डॉ. माधव सोनटक्के
५) राज्यभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदालेन का इतिहास — डॉ. उदयनारायण दुबे
६) पारिभाषिक शब्द संग्रह — (प्र.)केंद्रीयहिन्दी निदेशालय
७) पारिभाषिक अधिनियम (१९६२ — १९६७)—
८) राजभाषा हिन्दी — डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
९) वृहद पारिभाषिक शब्द संग्रह — वैज्ञानिक एवं तकनीकी

		शब्दावली आयोग
१०) मानक हिन्दी का शुध्दिपकर व्याकरण	—	डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा
११) व्यावहारिक पत्र — लेखन	—	डॉ. के. पी. शहा
१२) प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण	—	प्रो. विराज एम. ए.
१३) समाचार पत्र व्यवस्थापन	—	अनंत गोपाल शेवडे
१४) हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम	—	डॉ. वेदप्रताप वैदिक
१५) अनुवाद विज्ञान : सिध्दांत और अनुप्रयोग	—	डॉ. नगेंद्र
१६) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान	—	डॉ. सराफ गोस्वामी, विकास
१७) मिडिया लेखन	—	सुमित मोहन
१८) काम्प्यूटर : क्या? क्यों? कैसे?	—	वरुण कुमार शर्मा
१९) मिडिया लेखन — सिध्दांत और प्रयोग	—	मुकेश मानस
२०) भारत में संचार और जनसंचार	—	डॉ. जे. वी. विलानिलम अनु. डॉ. शशिकांत शुक्ला
२१) समाचार पत्र — कला	—	पं. अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
२२) समाचार संकलन और लेखन	—	डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
२३) कम्प्यूटर संकलन और लेखन	—	सं. सतोष चौबे
२४) कम्प्यूटर के सिध्दांत तथा प्रोगाम	—	डॉ. जोखन सिंह
२५) इंटरनेट	—	शशि शुक्ला
२६) प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम	—	डॉ. मनोज पाण्डेय

एम. ए. हिंदी सत्र –I
प्रश्नपत्र ४ (वैकल्पिक)
(हिन्दी उपन्यास साहित्य) –I
Paper-IV

उद्देश्य :

१. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना।
२. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना।
३. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
४. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषय दृष्टिकोण का मूल्यांकन करना।
५. उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
६. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
७. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकान की क्षमता वढाना।
८. उपन्यास विधा की ओर सर्जक, समीक्षा, अनुवाद और शोध की दृष्टि से छात्रों को प्रेरित करना।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
४) विशेषज्ञों के व्याख्यान।
५) पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
६) अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

अध्ययनार्थ विषय / पाठ्यक्रम

१) उपन्यास की परिभाषा, स्वरुप तथा उपन्यास के तत्व।
२) हिंदी उपन्यास का विकासक्रम – प्रेंमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद युगीन उपन्यास, प्रेंमचंदोत्तर उपन्यास।
३) हिंदी उपन्यासों की प्रवृतियॉ – सामाजिक, राजनीतिक, आंचलिक, तिलस्मी, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक उपन्यास आदि का अध्ययन।
४) उपन्यासों में कलापक्ष एवं भाव पक्ष का महत्व।
५) उपन्यास की विविध शैलियों का अध्ययन, वर्णनात्मक, आत्मकथात्मक, चेतना प्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, डायरी आदि।

अध्ययन के लिए उपन्यास / पाठ्यक्रम :

इकाई १	उपन्यास का उद्भव एवं विकास उपन्यास स्वरूप, तत्व व प्रकार
इकाई २	शेखर एक जीवनी – अज्ञेय
इकाई ३	काली आँधी – कमलेश्वर
इकाई ४	आपका बंटी – मन्नू भंडारी

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई १,२,३,४** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों में से व्याख्या हेतु छ: गद्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई १,२,३,४** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) हिंदी का गद्य साहित्य — रामचंद्र तिवारी
२) हिदी गद्य मीमांशा — रमाकांत त्रिपाठी
३) हिंदी का गद्य इतिहास — रामचंद्र तिवारी
४) प्रताप नारायण ग्रंथावली — विजय शंकर मल्ल
५) हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कर्तत्व — रामचंद्र शुक्ल
६) भारतेदु युग — डॉ. राम विलाश शर्मा
७) हिंदी की गद्य विधाएँ — रामचंद्र तिवारी
८) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. नगेद्र
९) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह

१०)	प्रेंमचंद और उनका युग	—	डॉ. रामविलास शर्मा
११)	हिंदी उपन्यास : समकालीन विमर्श	—	सत्यदेव त्रिपाठी
१२)	नये उपन्यासों में नये प्रयोग	—	दंगल झाल्टे
१३)	हिंदी उपन्यास — बदलते परिवेश	—	सुदेश बत्रा

एम. ए. हिंदी सत्र –I

Major Elective DSE वैकल्पिक
हिन्दी कहानी साहित्य –I
Paper-IV

उद्देश्य :–

१. छात्रों को कहानी विधा का तात्विक परिचय देना।
२. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना।
३. हिंदी कहानी की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
४. हिंदी कहानी में अभिव्यक्त जीवन विषय दृष्टिकोण का मूल्यांकन करना।
५. कहानी विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
६. हिंदी कहानी में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
७. छात्रों में कहानी साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकान की क्षमता वढाना।
८. कहानी विधा की ओर सर्जक, समीक्षा, अनुवाद और शोध की दृष्टि से छात्रों को प्रेरित करना।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
४) विशेषज्ञों के व्याख्यान।
५) पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
६) अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

अध्ययनार्थ विषय / पाठ्यक्रम

१) कहानी की परिभाषा, स्वरुप तथा कहानी के तत्व।
२) हिंदी कहानी का विकासक्रम – प्रेंमचंद पूर्व कहानी, प्रेमचंद युगीन कहानी, प्रेंमचंदोत्तर कहानी
३) हिंदी कहानी की प्रवृतियॉं – सामाजिक, राजनीतिक, आंचलिक, तिलस्मी, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक कहानी आदि का अध्ययन।
४) कहानी में कलापक्ष एवं भाव पक्ष का महत्व।

५) कहानी की विविध शैलियों का अध्ययन, वर्णनात्मक, आत्मकथात्मक, चेतना प्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, डायरी आदि।

६) कहानी का भावपक्ष तथ कलापक्ष।

७) कहानी के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण।

८) कहानी का विशेष अध्ययन (संदर्भ सहित व्याख्या के संदर्भ में)

अध्ययन के लिए कहानी / पाठ्यक्रम :

इकाई १

१) हिन्दी कहानी : परिभाषा, स्वरूप और तत्व

i) नई कहानी अर्थ, स्वरूप

ii) समकालीन कहानी अर्थ, स्वरूप

इकाई २

१) मुंशी प्रेमचंद :

i) दुनिया का अनमोल रतन

ii) बड़े भाई साहब

२) चंद्रधर शर्मा गुलेरी :

i) उसने कहा था

ii) बुध्दु का कांटा

इकाई ३

१) फणिश्वरनाथ रेणु :

i) लाल पान की बेगम

ii) पंच लाईट

२) निर्मल वर्मा :

i) परिंदे

ii) सुखा

इकाई ४

१) कृष्णा सोबती :

i) सिक्का बदल गया

ii) ये लडकी

२) ममता कालिया :

i) बोहनी

ii) आपकी छोटी लडकी

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई १,२,३,४** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कहानियों में से व्याख्या हेतु छः गद्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई १,२,३,४** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कहानियों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंतर्गत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) हिंदी कहानी के सौ वर्ष — वेदप्रकाश अमिताभ
२) नही कहानी की भूमिका — कमलेश्वर
३) प्रेमचंद और उनका युग — डॉ. रामविलास शर्मा
४) कहानी प्रवृत्ति और विश्लेषण — सुरेंन्द्र उपाध्याय
५) समकालीन कहानी की पहचान — नरेंद्र मोहन
६) हिंदी कहानी पहचान और परख — इंद्रनाथ मदान
७) नहीं कहानी का स्वरुप विवेचन — डॉ. इंदु रश्मि
८) समकालीन हिंदी कहानी — डॉ. पुष्पपाल सिंह
९) हिमांशु जोशी का कथा साहित्य — डॉ. अनिल साळुंखे
१०) आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य — डॉ. राजेंद्र खैरनार

११)	भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन	—	डॉ. सुरेश बाबर
१२)	नयी कहानी : संदभ और प्रकृति	—	देवीशंकर अवस्थी
१३)	नयी कहानी के विविध प्रयोग	—	शशिभूषण पाण्डेय शीतांषु

एम. ए. हिंदी सत्र –I

आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य –I

Major Elective DSE (वैकल्पिक)

Paper-IV

उद्देश्य :–

१) साहित्य की नितांत वैयक्तिक विधाओं का परिचय।
२) साहित्यिक विधाओं में एकांकी, रिर्पोताज, संस्मरण, यात्रावर्णन, व्यंग्यलेख, कहानी और निबंध का महत्व बोध।
३) हिंदी की विविध विधा का परिचय।
४) निंबध गद्य की कसौटी क्यों है इसका बोध।
५) हिंदी की विवेच्च गद्य विधाओं में वैयक्तिक स्पर्श।
६) हिंदी साहित्य विधा की सर्जक, समीक्ष, अनुवाद और शोध की दृष्टि से छात्रों को परिचय कराना।
७) हिंदी यात्रा साहित्य में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
८) हिंदी यात्रा साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।
५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :—

इकाई १

सुनसान के सहचर (यात्रावर्णन) — श्रीराम शर्मा आचार्य,
प्रकाशक, युग निर्माण योजना
विस्तार ट्रस्ट, मथुरा

इकाई २

सुनसान के सहचर (यात्रावर्णन) — श्रीराम शर्मा आचार्य,
प्रकाशक युग निर्माण योजना
विस्तार ट्रस्ट, मथुरा

इकाई ३

१) मकडी का जाला (एकांकी) — जगदीश चंद्र माथुर
२) रवीद्रनाथ ठाकुर (संस्मरण) — महादेवी वर्मा
३) नाम चर्चा (व्यंग्य लेख) — नरेन्द्र कोहली
४) उमस (कहानी) — ममता कालिया

इकाई ४

१) रात का रहस्य (एकांकी) — डॉ. रामकुमार वर्मा
२) जिन्दगी और गुलाब के फूल (कहानी) — उषा प्रियंवदा
३) सुव्यवस्था और सुनियोजन (निबंध) — श्रीराम शर्मा आचार्य
४) सरहद के उस पार (रिर्पोताज) — विष्णु प्रभाकर

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय के चार **इकाई १,२,३,४** होंगे।

२. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई १** एवं **इकाई २ मे** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक दो इकाई ३** एवं **इकाई ४** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) यात्रा साहित्य — पं. माधव प्रसाद मिश्र

२) यात्रा साहित्य — डॉ. भगवत शरण उपाधाय

३) व्यवस्था बुध्दि की गरिमा — श्रीराम शर्मा आचार्य

४) मेरी विश्व यात्राओं — डॉ. श्याम सिंह शशि

५) कुछ रंग कुछ गंध — सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

६) प्रबंध व्यवस्था
एक विभुति — एक कौशल — श्रीराम शर्मा आचार्य

७) घुमक्कड शास्त्र — राहुल सांकृत्यायन

८) हिंदी यात्रा साहित्य :
स्वरुप और विकास — डॉ. मुराली लाल शर्मा

एम. ए. हिंदी सत्र –I

हिंदी दलित विमर्श और साहित्य

Major Elective DSE

Paper-IV (वैकल्पिक)

उद्देश्य :

१) विद्यार्थियों को दलित विमर्श एवं साहित्य का परिचय कराना।
२) विद्यार्थियों को दलित साहित्य की वैचारिक पृष्ठिभूमि से परिचित कराना।
३) विद्यार्थियों को दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र से परिचित कराना।
४) विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य में दलित साहित्य के योगदान से परिचित कराना।
५) समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि से छात्रों को दलित साहित्य की ओर प्रेरित करना।
६) साहित्य के नये स्वर का बोध।
७) उपेक्षित, बहिष्कृत समाज की कार्यवाही से परिचय।
८) दलित आत्मवृत्त के बहाने सामाजिक विसंगतियों की जानकारी।
९) दलित चिंतन के सौंर्दयबोध और कलापक्ष का विवेचन।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

दलित साहित्य तथा दलित विमर्श की व्याख्या

इकाई १

१) दलित विमर्श : अवधारणा और स्वरुप

दलित साहित्य : परंपरा और विकास

दलित साहित्य : प्रेरणास्त्रोत और प्रभाव : कबीर, संत रैदास, ज्योतिबा फुले, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर।

इकाई २

२) दलित साहित्य : आम्बेडकर वादी दर्शन

दलित साहित्य का कला पक्ष

दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र

दलित साहित्य में अर्थव्यक्त भारतीय समाज

इकाई ३

३) दलित आत्मकथाएँ

जूठन — ओमप्रकाश वाल्मिकी

दोहरा अभिशाप — कौशल्या वैसंत्री

इकाई ४

४) दलित कहानियाँ

घुसपैठिए — ओमप्रकाश वाल्मिकी

अपना गांव — मोहनदास नेमिशराय

साजिश — सूरज पाल चौहान

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई १** एवं **इकाई २ में** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई ३** एवं **इकाई ४** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है।5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पॉच के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य — पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद
२) भारतीय साहित्य मे दलित व स्त्री — चमनलाल
३) चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य — श्यौराजसिंह वेचैन
४) दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र — ओमप्रकाश वाल्मीकी
५) दलित साहित्य की भूमिका — कमला भारती
६) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र — शरणकुमार लिंवाले
७) अस्पृश्यता एवं दलित चेतना — रमणिका गुप्ता
८) हिंदी साहित्य मे दलित चेतना — भरत सगरे
९) दलित चेतना और हिंदी उपन्यास — डॉ. एन.एस. परमार

१०)	दलित साहित्य की भूमिका	—	हरपाल सिंह अरुष
११)	हरिजन से दलित	—	संपा राजकिशोर
१२)	भारतीय दलित आंदोलन की रुपरेखा	—	केवल चंचरिक
१३)	हिंदी दलित आत्मकंथा	—	डॉ. संजय नाईक
१४)	दलित साहित्य का समाजशास्त्र	—	हरिनारायण ठाकुर
१५)	दलित साहित्य अनुसंधान के आयाम	—	डॉ. भरत सगरे

एम. ए. (हिन्दी) सत्र –I
प्रश्नपत्र ५
अनुसंधान क्रियाविधि (अनिवार्य)
(Research Methodology)
Paper-V

उद्देश्य :–

१) छात्रों को हिंदी में शोध के प्रति परिचय कराना।
२) शोध की विभिन्न पध्दतियों से अवगत कराना।
३) विद्यार्थियों में शोध एवम् आलोचना के साम्य और वैष्मय कि जानकारी प्रदान करना।
४) अनुसंधान के विविध रुपों का परिचय।
५) छात्रों मे अनुसंधान के प्रति सकारात्मक भावना विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
४) हिंदी अनुसंधान के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।
५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

शैक्षिक परिणाम:–

१) विद्यार्थी शोध के माध्यम से विभिन्न पक्ष की जानकारी दे पायेगा।
२) विद्यार्थी शोध एवम् अनुसंधान के विविध आयामों की जानकारी बता पायेगा।
३) विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में कौशलता के साथ हिंदी भाषा का प्रयोग कर पायेगा।
४) विद्यार्थी शोध से संबंधित कार्यविधि की जानकारी दे पायेगा।
५) विद्यार्थी रोजगार की दृष्टि से सक्षम होगा।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

इकाई १

i) शोध अर्थ एवं स्वरूप

सामान्य परिचय अनुशीलन, परिशीलन, समीक्षा आलोचना, अनुसंधान, शोध प्रबंध

ii) शोध की विभिन्न पध्दतियॉ

सामान्य परिचय
आलोचनात्मक पध्दति
काव्यशास्त्रीय पध्दति
समाजशास्त्रीय पध्दति
भाषा वैज्ञानिक पध्दति, शैली वैज्ञानिक पध्दति, मनोवैज्ञानिक पध्दति, तुलनात्मक पध्दति

इकाई २

i) शोध और आलोचना

आलोचना का अर्थ एवं स्वरूप,
साहित्य की परिभाषा
साहित्यिक कृति और आलोचना
साहित्य और शोध
साहित्य और सामाजिक तथ्य
साहित्य और शोध की परिकल्पना
शोध की वैज्ञानिक कार्यविधि
शोध और आलोचना :साम्य/वैषम्य
शोध और समालोचना शास्त्र

इकाई ३

विषय चयन

शोध विषय, विषय चयन, विषय चयन में विश्वविद्यालय की भुमिका, विषय का अन्यत्र पंजीकरण, अधिकारी विद्वान द्वारा विषय पर शोथार्थी की योग्यता की जांच, पंजियक मंडल, शोध अशोध विषय की सीमा बध्दता, शोधार्थी की भुमिका, रूचि विश्लेषण, निर्देशक की भूमिका, विषय चयन संबंधी अभ्यास / परख

इकाई ४

रूपरेखा निर्धारण

रूपरेखा, परिभाषा और महत्व,
स्पष्ट विषय शीषर्क, तथ्य आकलन, विश्लेषण और विवेचन, तथ्य विवेचन और निष्कर्ष ग्रहण तथा उपयोग अर्थ

एवं प्रयोजन, पाद टिप्पणी, अर्थ एवं प्रयोजन
संदर्भ ग्रंथ सूची
अंतिम प्रारूप एवं टंकण, पुस्तकालय उपयोग

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई—१** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

२. **प्रश्न क्रमांक दो इकाई—२** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

३. **प्रश्न क्रमांक तीन इकाई—३** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

४. **प्रश्न क्रमांक चार इकाई—४** से छह प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमें से पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 5 x 3 = 15

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** 'अ' तथा 'ब' दो भागों में विभक्त किया गया हैं।
(अ) 'अ' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
(ब) 'ब' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	शोध स्वरूप एवं मानक व्यवहारिक कार्य विधी —		वैजनाथ सिंह प्रकाशन— वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
२)	प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिध्दांत और प्रयोग —		दंगल झाल्टे
३)	राज्यभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदालेन का इतिहास	—	डॉ. उदयनारायण दुबे
४)	पारिभाषिक शब्द संग्रह	—	(प्र.)केंद्रीयहिन्दी निदेशालय
५)	पारिभाषिक अधिनियम (१९६२ — १९६७)—		—
६)	राजभाषा हिन्दी	—	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
७)	वृहद पारिभाषिक शब्द संग्रह	—	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग
८)	मानक हिन्दी का शुध्दिपकर व्याकरण	—	डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा
९)	व्यावहारिक पत्र — लेखन	—	डॉ. के. पी. शहा

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अनुसार

CBCS [चयन आधारित क्रेडिट पध्दति]

स्नातकोत्तर कला शाखा

M.A. (HINDI)

HINDI COURSE STRUCTURE 2023-24

SEMESTER I toII

हिंदी

प्रा.डॉ. सुनिता बनसोड (भगत)

अध्यक्ष

हिंदी अध्ययन मंडल

हिंदी पाठ्यक्रम समिति

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

पाठयक्रम की रूपरेखा
शैक्षणिक वर्ष २०२३–२०२४ से
एम. ए. हिंन्दी प्रथम और व्दितीय सत्र

(८०:२०पैटर्न)

प्रस्तुत पाठयक्रम की रचना मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के माडल पाठ्यचर्या के अनुसार की गई है।

एम. ए. हिंन्दी प्रथम और व्दितीय सत्र पाठ्यक्रम का अध्ययन व अध्यापन २०२३–२०२४ के सत्र से आरंभ होगा।

पाठ्यक्रम का विभाजन दो सत्रों (एक वर्ष) के लिए होगा। विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम में से सातवें और आठवे सत्र के अनुसार अध्ययन करना होगा।

Major DSC के अंतर्गत प्रश्नपत्र अनिवार्य स्तर के रहेंगे। जिसके अंतर्गत तीन विषयों का अध्ययन करना अनिवार्य होगा।

(Major Elective DSE) के अंतर्गत प्रश्नपत्र वैकल्पिक स्तर के होंगे। जिसके अंतर्गत पांच में से किसी एक विषय का चयन करना अनिवार्य होगा।

Minor OJT के अंतर्गत अनुसंधान क्रिया विधि का अध्ययन अनिवार्य होगा।

एम. ए. हिंन्दी प्रथम और व्दितीय सत्र

NEP- 2020

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

सत्र–2023-24 से (80 : 20 पैटर्न)

- कुल: 60तासिकाएँ ; प्रत्येक इकाई के लिए 15 घंटे
- पाँच प्रश्नपत्रों के लिए प्रथम और व्दितीय सत्र चार अंतर्गत परीक्षाएँ होगी। (5+5+5+5)- 20
- संत्रात परीक्षा (पांच प्रश्न)-80

कुल–80+20 = 100

सूचना:

1. एम. ए (हिंदी) प्रथम सत्र – के प्रश्न पत्र में 20 अंको का अर्न्तगत मूल्यांकन किया जायेगा और 80 अंको की अंतिम परीक्षा होगी ।
   (विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में अंर्तगत परीक्षा में कम से कम 08 अंक और अंतिम परीक्षा में कम से कम 32 अंक कुल मिलाकर 40 अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है । अर्थात 100 में से 40 अंक बाद में अनका रूपांतरण श्रेणी पध्दति में होगा ।
2. इस सत्र में चार अंर्तगत परीक्षाएँ ली जायेगी वह एक–एक इकाई के अध्यापन के बाद होनी चाहिए । यह परीक्षाएँ5+5+5+5अंको की ली जायेगी । उसके लिए निम्न परीक्षा पध्दतियों में से किन्ही चार के (विभाग प्रमुख एवं विषय शिक्षक के चयन के अनुसार) आधार पर मूल्यांकन किया जाय –

अ. क्र	परीक्षा	विषय
1	स्वाध्याय 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
2	मौखिक परीक्षा 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
3	प्रतियोगिता / स्पर्धा परीक्षा 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
4	विषय–संगोष्ठी / सेमिनार प्रस्तुतिकरण 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रस्तुतिकरण लिया जाना
5	लघु प्रकल्प / अनुसंधान कार्य / प्रोजक्ट 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
6	लिखित परीक्षा 5 अंको के लिए	चारों इकाईयों पर
7	पुस्तक परीक्षण 5 अंको के लिए	किसी एक इकाई के विषय पर
8	साहित्यिक पत्रिका / पुस्तक आकलन	किसी एक इकाई पर

एम.ए.(हिंदी) भाग : दो

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

सत्र : **2023 - 2024** से (**80 : 20** पैटर्न)

सत्र — आठ

प्रश्नपत्र १ :—	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल और आधुनिककाल) (१३५० से अब तक)	Major Mandatory DSC Subject
प्रश्नपत्र २ :—	काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन (पाश्चात्य काव्यशास्त्र)	
प्रश्नपत्र ३ :—	आधुनिक हिंदी काव्य	
प्रश्नपत्र ४ :—	१. प्रयोजनमूलक हिंदी २. हिन्दी उपन्यास साहित्य ३. हिंदी कहानी साहित्य ४. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य ५. स्त्री विमर्श और साहित्य	Elective Subject
प्रश्नपत्र ५ :—	अनुवाद कला	Minor OJT

गोंडवाना विश्वविद्यालय,गडचिरोली

पदव्युत्तर अभ्यासक्रम
राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०
विषय : एम.ए. (हिन्दी)

	SEM - I	SEM - II
Major DSC	१) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल) २) काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन (भारतीय काव्यशास्त्र) ३) आधुनिक हिंदी काव्य	१) हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल) २) काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन (पाश्चात्य काव्यशास्त्र) ३) आधुनिक हिंदी काव्य
Major Elective DSE	१) प्रयोजनमूलक हिंदी -I २) हिंदी उपन्यास साहित्य -I ३) हिंदी कहानी साहित्य -I ४) आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य -I ५) हिंदी दलित विमर्श और साहित्य	१) प्रयोजनमूलक हिंदी - II २) हिंदी उपन्यास साहित्य - II ३) हिंदी कहानी साहित्य - II ४) आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य - II ५) स्त्री विमर्श और साहित्य
Compulsory	अनुसंधान क्रियाविधि	OJT

सूचना:– १. Major DSC के तीनो विषय अनिवार्य है।
२. Elective मे से कोई भी एक विषय का अध्ययन करना अनिवार्य है।

एम.ए. (हिन्दी) सत्र— II
प्रश्न पत्र १ Major DSC

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(रीतिकाल एवं आधुनिककाल)
१७०० से अबतक
प्रश्नपत्र—१

उद्देश्य :—

१) युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
२) आदिकालीन और भक्तिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना।
३) जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।
४) युगीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) परिचर्चा।
५) अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान।

शैक्षणिक परिणाम :—

१) विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी दे सकेगा।
२) विद्यार्थी साहित्य और समाज के अंत:संबंध की जानकारी दे सकेगा।
३) विद्यार्थी साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को परख कर उसे विश्लेषित कर सकेगा।
४) विद्यार्थी सामाजिक एकीकरण और समाज के उत्थान के लिए कवियो द्वारा किये गये पयत्नों की जानकारी दे सकेगा।
५) विद्यार्थी सांस्कृतिक बहूलता का बोध कर सकेगा।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

इकाई १

१) रीतिकाल की पृष्ठभूमि, काल निर्धारण एवं नामकरण
२) दरबारी संस्कृति, लक्षणग्रन्थो की परम्परा एवं विकास
३) रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराऍ एवं (रीतिबद्व, रीतिसिध्द, नीतिमुक्त इन धाराओं की प्रवृत्तियों, प्रमुख रचनाकार उनकी रचनाऍ एवं विशेषताॅए)

इकाई २

१) आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं विशेषताऍ।
२) भारतेंदुयुग की पृष्ठभूमि, विशेषताऍ, प्रमुख साहित्यकार एवं रचनाऍ.
३) द्विवेदीयुग की पृष्ठभूमि, विशेषताऍ, प्रमुख साहित्यकार एवं रचनाऍ

इकाई ३

१) छायावादी युग की पृष्ठभूमि, विशेषताऍ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाऍ।
२) प्रगतिवादी युग की पृष्ठभूमि, विशेषताऍ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाऍ।
३) प्रयोगवादी युग की पृष्ठभूमि, विशेषताऍ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाऍ।
४) नई कविता की पृष्ठभूमि, विशेषताऍ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाऍ।

इकाई ४

१) समकालीन कविता की पृष्ठभूमि, विशेषताऍ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाऍ।
२) स्त्री–विमर्श की पृष्ठभूमि, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाऍ।
३) दलित–विमर्श की पृष्ठभूमि, प्रमुख रचनाकार एंव उनकी रचनाऍ।
४) आदिवासी–विमर्श की पृष्ठभूमि, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाऍ।

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय की चार इकाईयाँ होंगी।

२. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई—१** एवं **इकाई—२** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक दो इकाई—३** एवं **इकाई—४** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक **इकाई** से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य — सम्पादक पुन्नीसिंह, कमलाप्रसाद राजेन्द्र शर्मा

२) हिंदी साहित्य का सरल इतिहास — विश्वनाथ त्रिपाठी

३) भाषा साहित्य और संस्कृति — विमलेश कान्ति वर्मा, मालती

४) आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श — देवेन्द्र चौबे

५) समकालीन भारतीय साहित्य — साहित्य अकादमी पत्रिका

६) दलित आत्मकथाएं अनुभव से चिंतन — सुभाषचंद्र

७) हिंदी साहित्य का इतिहास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल

८) हिंदी साहित्य का आदिकाल — हजारी प्रसाद द्विवेदी

९) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

१०) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. रामविलास शर्मा
११) हिंदी रीति साहित्य — डॉ. भगीरथ मिश्र
१२) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. माधव सोनटक्के
१३) आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका — डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१४) हिंदी साहित्य का इतिहास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
१५) हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास — आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
१६) हिन्दी साहित्य की भूमिका — आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
१७) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
१८) भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ — डॉ. रामविलास शर्मा
१९) भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ — डॉ. रामविलास शर्मा
२०) महावीरप्रसाद द्विवेदी और नवजागरण — डॉ. रामविलास शर्मा
२१) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह
२२) साहित्य और इतिहास दृष्टि — डॉ. मैनेजर पाण्डेय
२३) हिन्दी साहित्य और संवेदना — रामस्वरुप चतुर्वेदी
२४) साठोत्तरी हिन्दी कविता : परिवर्तित दिशाएँ — विजय कुमार
२५) समकालीन कविता और कुलीनतावाद — अजय तिवारी
२६) नई कविता का आत्मसंघर्ष — ग. मा. मुक्तिबोध
२७) नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र — ग. मा. मुक्तिबोध
२८) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. नगेद्र
२९) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. मातादीन

एम. ए. (हिन्दी) सत्र– II
प्रश्नपत्र २ Major DSC
काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन
(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

उद्देश्य :

१) छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
२) छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
३) छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिध्दातों का ज्ञान कराना।
४) साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधो से छात्रों को अवगत कराना।
५) छात्रों को साहित्यशास्त्र चिंतन से परिचित कराना।
५) छात्रों को भारतीय साहित्य शास्त्र के सिध्दातों में साम्य वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
६) छात्रों को साहित्य शास्त्रीय समीक्षा का महत्व अवगत कराना।
८) साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) पी.पी.टी/भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
५) अतिथि विशेषज्ञो के व्याख्यान।

शैक्षणिक परिणाम :—

१) विद्यार्थी साहित्य के विविध सिध्दातों, अवधारणाओं की जानकारी बतला पायेगा।
२) विद्यार्थी साहित्य के मापदण्डों की समझ से काव्य चिंतन का विश्लेषण कर पायेगा।
३) विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मापदण्डों के आधार पर साहित्य की आलोचना कर पायेगा।
४) विद्यार्थी भारतीय साहित्यशास्त्र के आधार पर अनुसंधान कर पायेगा।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

इकाई १

१) **प्लोटो— काव्य सिध्दांत.**

- काव्य एवं कला संबंधी विचार
- प्लोटो का अनुकरण सिध्दांत
- प्लोटो के काव्य एवं भाषा संबंधी विचार
- प्लोटो के त्रासदी संबधी विचार

२) **अरस्तु :—**

- अरस्तु का अनुकरण सिध्दांत
- अरस्तु का विवेचन सिध्दांत
- त्रासदी का सिध्दांत

३) **लोंजाइन्स—**

- उदात्त की अवधारणा

इकाई २

१) **टी.एस. इलियट :—**

- इलियट की काव्य परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा
- वस्तुनिष्ठ समीकरण
- निर्वैयक्तिकता का सिध्दांत
- काव्य भाषा संबंधी विचार

२) **आय.ए. रिचड्स :—**

- कला का प्रयोजन
- सौंदार्यानुभूति और कला
- कल्पना संबंधी विचार
- संप्रेषण सिध्दांत

इकाई ३

१) **विलियम वर्डस्वर्थ :—**

- काव्यभाषा सिध्दांत

२) **कॉलरिज:—**

- कल्पना सिध्दांत
- ललित कल्पना (फॅन्टसी)

३) **क्रोचे:—**

- अभिव्यंजनावाद का स्त्रोत
- क्रोचे के दार्शनिक विचार
- सहजानुभूति
- कला संबंधी विचार

इकाई ४

१) **आलोचना की पध्दतियॉं :—**

- सौध्दांतिक
- मनोवैज्ञानिक
- मार्क्सवादी
- ऐतिहासिक
- तुलनात्मक मूल्यांकन
- सौंदर्य शास्त्रीय आलोचना
- अनुसंधानपरक आलोचना
- व्याख्यात्मक आलोचना

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई—१**एवं **इकाई—२** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक **इकाई** से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक दो इकाई—३** एवं **इकाई—४** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	रस मीमांसा	—	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
२)	भारतीय काव्य शास्त्र	—	डॉ. सत्यदेव चौधरी
३)	साहित्यलोचन	—	डॉ. श्याम सुंदरदास
४)	ध्वनि सिध्दांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य	—	डॉ. रॉय
५)	आलोचना और आलोचना	—	डॉ. बच्चन
६)	रस सिध्दांत स्वरुप और विश्लेषण	—	डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
७)	हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ	—	डॉ.रामेश्वरलाला खंडेलवाल
८)	रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	—	डॉ. रामविलास शर्मा
९)	काव्य तत्व विमर्श	—	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१०)	समीक्षा शास्त्र के सिध्दांत	—	डा. श्यामसुंदर दास
११)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्म अध्ययन	—	डॉ. बच्चन सिंह

१२) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन — डॉ. सत्यदेव चौधरी एवं डॉ. शान्तिस्वरुप गुप्त

१३) पाश्चात्य काव्य शास्त्र — डॉ. भगीरथ मिश्र

१४) पाश्चात्य काव्य शास्त्र — आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा

१५) पाश्चात्य काव्य शास्त्र — डॉ. निर्मला जैन

१६) पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिध्दान्त — डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज

१७) भारतीय काव्य शास्त्र — डॉ. विजयपाल सिंह

१८) पाश्चात्य काव्य शास्त्र — डॉ. विजयपाल सिंह

१९) संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्य शास्त्र — गोपीचंद नारंग

२०) हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास — डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय लोकभारतीय प्रकाशन

२१) काव्य के रुप — गुलाबराय

२२) भारतीय काव्य शास्त्र की परंपरी — डॉ. नगेन्द्र

२३) काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन — डॉ. शैलेद्र कुमार शुक्ल

एम. ए. (हिन्दी) सत्र– II
प्रश्नपत्र ३ Major DSC
आधुनिक हिन्दी काव्य

उद्देश्य :

१) विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य प्रवृत्तियों का परिचय कराना।

२) विद्यार्थियों को आधुनिककाल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना।

३) आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम का परिचय देना।

४) विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरुप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।

५) द्रुतवाचन के अंतर्गत विद्यार्थियों को कवियों की काव्यगत विशेषताओं, रचनाओं के लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन कराना।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) द्रक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।

४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

५) परिचर्चा।

६) अतिथि विध्दानों के व्याख्यान।

शैक्षणिक परिणाम :–

१) विद्यार्थियों को पठित विधा का विस्तृत परिचय होगा उनमे साम्य, वैषम्य का बोध विकसित होगा।

२) उनमें सामाजिक समस्याओं के चित्रण और उनको देखने का दृष्टिकोण विकसित होगा।

३) उसकी भाषिक दक्षता विकसित होगी।

४) उनमें सामाजिक चेतना का विकास बोध होगा।

५) उनमें मानवीय मूल्यों की समझ विकसित हागी।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई १

१) **जयशंकर प्रसाद**
- कामायनी
- लज्जा सर्ग
- इड़ा सर्ग

२) **सुमित्रानंदन पंत :—**
- प्रथम रश्मि

इकाई २

१) **गजानन माधव मुक्तिबोध**
- चॉंद का मुँह टेढा

२) सच्चिदानंद हिरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' :—
- नदी के द्विप

इकाई ३

१) **राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज**
- ग्रामगीता (श्रम संपत्ति)

२) **ओमप्रकाश वाल्मिकी**
- कोई खतरा नही।

इकाई ४

१) **द्रुतपाठ**
- इकबाल
- सुभद्राकुमारी चौहान
- नागार्जुन
- त्रिलोचन
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
- महिप सिंग

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई—१,२,३** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु छः काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई—१,२,३** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पाँच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पाँच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) अज्ञेय का काव्य — एक मूल्यांकन — डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
२) अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या — रामस्वरुप चतुर्वेदी
३) आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ — डॉ. नगेन्द्र
४) मुक्तिबोध ज्ञान और संवदेना — नंदकिशोर नवल
५) मुक्तिबोध की काव्य चेतना और मूल्य संकल्प — डॉ. हुकूमचंद राजपाल
६) प्रसाद का काव्य — डॉ. प्रेमशंकर
७) कवि प्रसाद की काव्य साधना — रामनाथ सुमन
८) निराला की साहित्य साधना — रामविलास शर्मा
९) निराला काव्य में मानवीय चेतना — डॉ. रमेशदत्त मिश्र

१०)	क्रान्तिकारी कवि	—	निराला
११)	ग्रामगीता (हिन्दी) अनुवादक	—	प्रा. रघुनाथ कडवे
		—	संस्कार प्रकाशन, नागपुर
१२)	निराला और मुक्तिबोध	—	नंदकिशोर नवल
१३)	कामायनी : एक पुनर्विचार	—	ग. मा. मुक्तिबोध
१४)	कामायनी : इतिहास और रुपक	—	सुशीला भारती
१५)	मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब	—	चंचल चौहान
१६)	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	—	डॉ. नगेद्र

एम. ए. (हिंदी) सत्र– II

प्रश्नपत्र ४ Major Elective DSE

प्रयोजनमूलक हिंदी II

उद्देश्य :—

१) छात्रों को हिंदी के प्रयोजनमूलक पक्ष का परिचय कराना।
२) हिंदी की प्रयुक्तियों का परिचय।
३) कार्यालयीन भाषा के रुप में हिंदी की उपयोगिता।
४) जनसंचार के विविध रुपों का परिचय।
५) सूचना तकनीकि में विविध रुपों का परिचय।
६) हिंदी में कंम्प्युटर के विविध प्रयोग से अवगत कराना।
७) छात्रों मे राष्ट्र के प्रति प्रेंम एवं सामाजिक प्रतिबध्दता की भावना विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।
५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

शैक्षणिक परिणाम :—

१) विद्यार्थी भाषा के प्रयोजन मूलक पक्ष की जानकारी दे पायेगा।
२) विद्यार्थी भाषा के प्रयोजनमूलक आयामों की जानकारी बता पायेगा।
३) विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में कौशलता के साथ हिंदी भाषा का प्रयोग कर पायेगा।
४) विद्यार्थी हिंदी की संवैधानिक स्थिती की जानकारी दे पायेगा।
५) विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्र के पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग कर पायेगा।
६) विद्यार्थी रोजगार की दृष्टि से सक्षम होगा।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई १

१) **हिन्दी भाषा का स्वरूप**

- हिन्दी शब्द की उत्पत्ति और विकास
- देवनागरी लिपि का परिचय
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

इकाई 2

१) **हिन्दी भाषा के विविध रूप**

- राष्ट्रभाषा
- राजभाषा
- संपर्क भाषा
- मानक भाषा

२) **पारिभाषिक शब्दावली**

- **अर्थ स्वरूप और विशेषताएँ**
- **परिभाषिक, शब्दावली निर्माण के सिध्दांत**

इकाई ३

१) **विज्ञापन लेखन अर्थ, स्वरूप, परिभाषा महत्व उपयोगिता और प्रकार**

- समाचार पत्रों में विज्ञापन लेखन
- रेडिओं (आकाशवाणी में विज्ञापन लेखन)
- दूरदर्शन (टेलीविजन में विज्ञापन लेखन)

इकाई ४

१) **हिन्दी कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग**

- कम्प्यूटर का आशय /स्वरूप
- कम्प्यूटर की उपयोगिता/महत्व
- कम्प्यूटर के प्रकार / अंग
- कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली:
  १.साप्टवेअर २. हार्डवेअर ३. डेस्कटॉप ४. ई—मेल
  ५. इंटरनेट : प्रमुख पोर्टल

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई १** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

२. **प्रश्न क्रमांक दो इकाई २** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

३. **प्रश्न क्रमांक तीन इकाई ३** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में **इकाई ४** से चार प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 5 x 3 = 15

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** 'अ' तथा 'ब' दो भागों में विभक्त किया गया हैं।
(अ) 'अ' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
(ब) 'ब' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

६.अंर्तगत मूल्यांकन 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिध्दांत और प्रयोग — दंगल झाल्टे
२) प्रयोजनमूलक हिन्दी — डॉ. विनोद गोदरे
३) प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरुप — प्रो. राधे मोहन शर्मा
४) प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना और प्रयोग — डॉ. माधव सोनटक्के
५) राज्यभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदालेन का इतिहास — डॉ. उदयनारायण दुबे
६) पारिभाषिक शब्द संग्रह — (प्र.)केंद्रीय हिन्दी निदेशालय
७) पारिभाषिक अधिनियम (१९६२ — १९६७)—
८) राजभाषा हिन्दी — डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

९) वृहद पारिभाषिक शब्द संग्रह — वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग
१०) मानक हिन्दी का शुध्दिपकर व्याकरण — डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा
११) व्यावहारिक पत्र – लेखन — डॉ. के. पी. शहा
१२) प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण — प्रो. विराज एम. ए.
१३) समाचार पत्र व्यवस्थापन — अनंत गोपाल शेवडे
१४) हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम — डॉ. वेदप्रताप वैदिक
१५) अनुवाद विज्ञान : सिध्दांत और अनुप्रयोग — डॉ. नगेंद्र
१६) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान — डॉ. सराफ गोस्वामी, विकास
१७) मिडिया लेखन — सुमित मोहन
१८) काम्प्यूटर : क्या? क्यों? कैसे? — वरुण कुमार शर्मा
१९) मिडिया लेखन – सिध्दांत और प्रयोग — मुकेश मानस
२०) भारत में संचार और जनसंचार — डॉ. जे. वी. विलानिलम अनु. डॉ. शशिकांत शुक्ला
२१) समाचार पत्र – कला — पं. अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
२२) समाचार संकलन और लेखन — डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
२३) कम्प्यूटर संकलन और लेखन — सं. सतोष चौबे
२४) कम्प्यूटर के सिध्दांत तथा प्रोगाम — डॉ. जोखन सिंह
२५) इंटरनेट — शशि शुक्ला
२६) प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम — डॉ. मनोज पाण्डेय

एम. ए. (हिंदी) सत्र– II
प्रश्नपत्र ४: (वैकल्पिक) Major Elective DSE
(हिन्दी उपन्यास साहित्य) II

उद्देश्य :

१. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना।
२. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना।
३. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
४. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषय दृष्टिकोण का मूल्यांकन करना।
५. उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
६. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
७. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकान की क्षमता वढाना।
८. उपन्यास विधा की ओर सर्जक, समीक्षा, अनुवाद और शोध की दृष्टि से छात्रों को प्रेरित करना।

अध्यापन पध्दति :–

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
४) विशेषज्ञों के व्याख्यान।
५) पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
६) अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

अध्ययनार्थ विषय / पाठ्यक्रम

१) उपन्यास की परिभाषा, स्वरुप तथा उपन्यास के तत्व।
२) हिंदी उपन्यास का विकासक्रम – प्रेंमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद युगीन उपन्यास, प्रेंमचंदोत्तर उपन्यास।
३) हिंदी उपन्यासों की प्रवृतियॉ – सामाजिक, राजनीतिक, आंचलिक, तिलस्मी, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक उपन्यास आदि का अध्ययन।
४) उपन्यासों में कलापक्ष एवं भाव पक्ष का महत्व।
५) उपन्यास की विविध शैलियों का अध्ययन, वर्णनात्मक, आत्मकथात्मक, चेतना प्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, डायरी आदि।

अध्ययन के लिए उपन्यास / पाठ्यक्रम :

इकाई १	चित्रलेखा प्रकाशक	— भगवतीचरण वर्मा राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. १, वी नेताजी सुभाषमार्ग दरियागंज, नई दिल्ली
इकाई २	गोदान प्रकाशक	— प्रेमचंद राजकमल प्रा लि. १ वी नेताजी सुभाषमार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली
इकाई ३	मैला ऑचल प्रकाशक	— फणिश्वरनाथ रेणू राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. १ वी नेताजी सुभाषमार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली
इकाई ४	ऑगनमे एक वृक्ष प्रकाशक	— दुष्यांत कुमार राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. १ वी नेताजी सुभाषमार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई १,२,३,४** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों में से व्याख्या हेतु छः गद्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई १,२,३,४** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) हिंदी का गद्य साहित्य — रामचंद्र तिवारी
२) हिदी गद्य मीमांशा — रमाकांत त्रिपाठी
३) हिंदी का गद्य इतिहास — रामचंद्र तिवारी
४) प्रताप नारायण ग्रंथावली — विजय शंकर मल्ल
५) हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कर्तत्व — रामचंद्र शुक्ल
६) भारतेदु युग — डॉ. राम विलाश शर्मा
७) हिंदी की गद्य विधाएँ — रामचंद्र तिवारी
८) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. नगेद्र
९) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह

१०) प्रेंमचंद और उनका युग — डॉ. रामविलास शर्मा
११) हिंदी उपन्यास : समकालीन विमर्श — सत्यदेव त्रिपाठी
१२) नये उपन्यासों में नये प्रयोग — दंगल झाल्टे
१३) हिंदी उपन्यास — बदलते परिवेश — सुदेश बत्रा

एम.ए.हिंदी
सत्र - II
प्रश्नपत्र—४ Major Elective DSE वैकल्पिक
हिन्दी कहानी साहित्य -II

उद्देश्य :—

१. छात्रों को कहानी विधा का तात्विक परिचय देना।
२. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना।
३. हिंदी कहानी की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
४. हिंदी कहानी में अभिव्यक्त जीवन विषय दृष्टिकोण का मूल्यांकन करना।
५. कहानी विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
६. हिंदी कहानी में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
७. छात्रों में कहानी साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकान की क्षमता वढाना।
८. कहानी विधा की ओर सर्जक, समीक्षा, अनुवाद और शोध की दृष्टि से छात्रों को प्रेरित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
४) विशेषज्ञों के व्याख्यान।
५) पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
६) अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

अध्ययनार्थ विषय / पाठ्यक्रम

१) कहानी की परिभाषा, स्वरुप तथा कहानी के तत्व।
२) हिंदी कहानी का विकासक्रम — प्रेंमचंद पूर्व कहानी, प्रेमचंद युगीन कहानी, प्रेंमचंदोत्तर कहानी
३) हिंदी कहानी की प्रवृतियॉ — सामाजिक, राजनीतिक, आंचलिक, तिलस्मी, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक कहानी आदि का अध्ययन।
४) कहानी में कलापक्ष एवं भाव पक्ष का महत्व।

५) कहानी की विविध शैलियों का अध्ययन, वर्णनात्मक, आत्मकथात्मक, चेतना प्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, डायरी आदि।

६) कहानी का भावपक्ष तथ कलापक्ष।

७) कहानी के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण।

८) कहानी का विशेष अध्ययन (संदर्भ सहित व्याख्या के संदर्भ में)

अध्ययन के लिए कहानी / पाठ्यक्रम :

इकाई १	१) फणिश्वरनाथ रेणू	—	१) संवदिया	२) पंचलाइट
	२) मन्नू भंडारी	—	१) दो कलाकार	२) दीवार, बच्चे और वस्तरा
इकाई २	१) विष्णु प्रभाकर	—	१) आपरेशन	२) मै नारी हूँ
	२) उषा प्रियंवदा	—	१) वापसी	
	३) जैनेद्र	—	१) पाजेब	
इकाई ३	१) राजेंद्र यादव	—	१) त्याग और मुस्कान	२) साइकिल
	२) मृदुला गर्ग	—	१) बंजर	२) ग्लेशियर में
इकाई ४	१) जयशंकर प्रसाद	—	१) व्रतभंग	२) पुरस्कार
	२) मालती जोशी	—	१) ढाई आखर प्रेम का	
	३) ममता कालिया	—	१) उमस	

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई १,२,३,४** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कहानियों में से व्याख्या हेतु छः गद्यांस दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई १,२,३,४** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कहानियों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) हिंदी कहानी के सौ वर्ष — वेदप्रकाश अमिताभ

२) नही कहानी की भूमिका — कमलेश्वर

३) प्रेमचंद और उनका युग — डॉ. रामविलास शर्मा

४) कहानी प्रवृत्ति और विश्लेषण — सुरेंन्द्र उपाध्याय

५) समकालीन कहानी की पहचान — नरेंद्र मोहन

६) हिंदी कहानी पहचान और परख — इंद्रनाथ मदान

७) नहीं कहानी का स्वरुप विवेचन — डॉ. इंदु रश्मि

८) समकालीन हिंदी कहानी — डॉ. पुष्पपाल सिंह

९) हिमांशु जोशी का कथा साहित्य — डॉ. अनिल साळुंखे

१०) आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य — डॉ. राजेंद्र खैरनार

११) भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन	—	डॉ. सुरेश बाबर
१२) नयी कहानी : संदभ और प्रकृति	—	देवीशंकर अवस्थी
१३) नयी कहानी के विविध प्रयोग	—	शशिभूषण पाण्डेय शीतांषु

एम. ए. हिंदी सत्र II

प्रश्नपत्र—४

Major Elective DSE (वैकल्पिक)

आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य . II

उद्देश्य :—

१) साहित्य की नितांत वैयक्तिक विधाओं का परिचय।
२) साहित्यिक विधाओं में एकांकी, रिर्पोताज, संस्मरण, यात्रावर्णन, व्यंग्यलेख, कहानी और निबंध का महत्व बोध।
३) हिंदी की विविध विधा का परिचय।
४) निंबध गद्य की कसौटी क्यों है इसका बोध।
५) हिंदी की विवेच्च गद्य विधाओं में वैयक्तिक स्पर्श।
६) हिंदी साहित्य विधा की सर्जक, समीक्ष, अनुवाद और शोध की दृष्टि से छात्रों को परिचय कराना।
७) हिंदी यात्रा साहित्य में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
८) हिंदी यात्रा साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वियन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।
५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :—

इकाई १	१. काला पानी (यात्रावर्णन)	:— लिलाधर मंडलोई
इकाई २	२. काला पानी (यात्रावर्णन)	:— लिलाधर मंडलोई
इकाई ३	३. i) समानान्तर रेखाएँ (एकॉकी)	— सत्येंद्र शरत
	ii) जाने—पहचाने लोग (निबंध)	— हरिशंकर परसाई
	iii) लाल फीता (व्यंग्यलेख)	— हेमंत द्विवेद्वी
	iv) वापसी (कहानी)	— उषा प्रियवंदा
इकाई ४	४. i) शोभा—यात्रा (कहानी)	— भीष्म साहनी
	ii) अशोक के फूल (निबंध)	— हजारीप्रसाद द्विवेदी
	iii) जोंक (एकांकी)	— उपेंद्रनाथ अश्क
	iv) ऐवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा (यात्रा वर्णन)	— बच्छेंद्री पाल

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय के चार **इकाई १,२,३,४** होंगे।

२. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई १** एवं **इकाई २** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक **इकाई** से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक दो इकाई ३** एवं **इकाई ४** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक **इकाई** से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	यात्रा साहित्य	—	पं. माधव प्रसाद मिश्र
२)	यात्रा साहित्य	—	डॉ. भगवत शरण उपाधाय
३)	व्यवस्था बुध्दि की गरिमा	—	श्रीराम शर्मा आचार्य
४)	मेरी विश्व यात्राओं	—	डॉ. श्याम सिंह शशि
५)	कुछ रंग कुछ गंध	—	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
६)	प्रबंध व्यवस्था एक विभुति — एक कौशल	—	श्रीराम शर्मा आचार्य
७)	घुमक्कड शास्त्र	—	राहुल सांकृत्यायन
८)	हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरुप और विकास	—	डॉ. मुराली लाल शर्मा

एम. ए. हिंदी सत्र II

प्रश्न पत्र—४
Major Elective DSE (वैकल्पिक)
स्त्री विमर्श और साहित्य

उद्देश्य :—

छात्रो कों

१) साहित्य के नये विमर्श का परिचय कराना।
२) समाज की आधी आबादी की अभिव्यक्ति का बोध कराना।
३) साहित्य में स्त्री स्थिति की जानकारी प्रदान कराना।
४) स्त्री चिंतन के विविध पक्षों की विवेचना करना।

अध्यापन पध्दति:—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृकश्रव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग।
४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।
५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम:—

इकाई १	समकालीन महिला कथालेखन और मैत्रेयी पुष्पा वर्तमान भारतीय ग्राम जीवन के परिप्रेक्ष्य में 'चाक' 'चाक' में राजनीतिक चेतना 'चाक' में नारी — चेतना 'चाक' में स्त्री—पुरूष संबंध 'चाक' में लोक—संस्कृति

इकाई २

- हिंदी के आत्मकथा लेखन
- हिंदी महिला आत्मकथा लेखन और मन्नू भंडारी
- 'एक कहानी यह भी': पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्ति
- 'एक कहानी यह भी': में व्यक्त साहित्य– संसार

इकाई ३

- एक कहानी यह भी : मन्नू भंडारी की जीवन यात्रा की साक्ष्य
- एक कहानी यह भी : पत्नी रूप की त्रासदी
- 'एक कहानी यह भी' : पति और साहित्यकार के रूप में राजेंद्र यादव के अंतिर्विरोध
- 'एक कहानी यह भी' : भाषा और प्रस्तुति

इकाई ४

- नारी आंदोलन : स्वरूप एंव विकास
- स्त्री विमर्श : अवधारणा और स्वरूप
- स्त्री विमर्श : परंपरा और विकास स्त्री विमर्श की विशेषताएँ स्त्री विमर्श का कला पक्ष

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80+20**

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक इकाई '१** एवं **इकाई २** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक **इकाई** से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक दो इकाई ३** एवं **इकाई ४** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक **इकाई** से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पॉच के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंतर्गत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) मैत्रेयी पुष्पा: स्त्री होने की कथा — डॉ. विजय बहादुर सिंह
२) मैत्रेयी पुष्पा के कथा साहित्य में स्त्री जीवन — शोभा यशवंते
३) मैत्रेयी पुष्पा तथ्त और सत्य — सं. दया दीक्षित
४) हिंदी उपन्यास: समकालीन विमर्श — सत्यदेव त्रिपाठी
५) मन्नू भंडारी की कहानियों में आधुनिकता बोध — केवल त्रिपाठी
६) स्त्रीत्ववादी विमर्श:समाज और साहित्य — क्षमा शर्मा
७) स्त्रीत्ववादी : साहित्य विमर्श — जगदीश्वर चतुर्वेदी
८) स्त्री अस्मिता के सवाल — डॉ. प्रभा दीक्षित

९) हिंदी नारी : कार्यशीलता से
साहित्य प्रवाह और स्त्री विमर्श — डॉ. रिचा शर्मा

१०) स्त्री लेखन :स्वप्न और
संकल्प — रोहिणी अग्रवाल

एम. ए. हिंदी सत्र II
प्रश्नपत्र—५ Minor OJT

उद्देश्य :—

१) छात्रों को हिंदी के प्रयोजनमूलक पक्ष का परिचय कराना।
२) हिंदी की प्रयुक्तियों का परिचय।
३) कार्यालयीन भाषा के रुप में हिंदी की उपयोगिता।
४) जनसंचार के विविध रुपों का परिचय।
५) सूचना तकनीकि में विविध रुपों का परिचय।
६) हिंदी में कंम्प्युटर के विविध प्रयोग से अवगत कराना।
७) छात्रों मे राष्ट्र के प्रति प्रेंम एवं सामाजिक प्रतिबध्दता की भावना विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।
५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

शैक्षणिक परिणाम:—

१) विद्यार्थी भाषा के प्रयोजन मूलक पक्ष की जानकारी दे पायेगा।
२) विद्यार्थी भाषा के प्रयोजनमूलक आयामों की जानकारी बता पायेगा।
३) विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में कौशलता के साथ हिंदी भाषा का प्रयोग कर पायेगा।
४) विद्यार्थी हिंदी की संवैधानिक स्थिति की जानकारी दे पायेगा।
५) विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्र के पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग कर पायेगा।
६) विद्यार्थी रोजगार की दृष्टि से सक्षम होगा।